जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

मा0 कुलपति जी की अध्यक्षता में दिनांक 27 अगस्त, 2017 को पूर्वाह्न 11:30 बजे विश्वविद्यालय के कार्य परिषद की द्वितीय बैठक महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के पंत प्रशासनिक भवन स्थित स्वामी विवेकानन्द सभागार में आहूत हुई जिसमें अधोलिखित सदस्य उपस्थित हुये–

1	प्रो0 योगेन्द्र सिंह, कुलपति	–	अध्यक्ष
2.	प्रो0 पृथ्वीश नाग, कुलपति, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी	–	सदस्य
3.	प्रो0 सी0डी0 सिंह, पूर्व संस्थापक कुलपति, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक, म0प्र0	–	सदस्य
4.	प्रो0 अशोक कुमार, पूर्व कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय	–	सदस्य
5.	प्रो0 नागेश्वर राव, कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, उत्तराखण्ड	–	सदस्य
6.	प्रो0 ओंकार सिंह यादव, पूर्व कुलपति, मदन मोहन मालवीय तकनीकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर	–	सदस्य
7.	प्रो0 जी0सी0आर0 जायसवाल, पूर्व कुलपति, डॉ0 राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय, फैजाबाद	–	सदस्य
8.	प्रो0 के0 के0 नाग, पूर्व कुलपति, राँची विश्वविद्यालय, राँची	–	सदस्य
9.	सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति के0 डी0 शाही, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद	–	सदस्य
10.	प्रो0 ओ0 पी0 राय, प्रति कुलपति, सेण्ट्रल यूनिवर्सीटी आफ साउथ विहार, बोधगया, बिहार	–	सदस्य
11.	प्रो0 वी0 के0 कुमरा, भूगोल विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	–	सदस्य
12.	प्रो0 परशुराम पाल, सेवा निवृत्त प्रोफेसर एवं कोआर्डिनेटर, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	–	सदस्य
13.	श्री नीरज शेखर, माननीय सांसद, राज्यसभा, भारत सरकार, 03 गुरूद्वारा, रकाबगंज रोड, नई दिल्ली	–	सदस्य
14.	श्री रविशंकर सिंह, माननीय सदस्य, विधान परिषद, उत्तर प्रदेश शासन, फ्लैट नं0 2013 लाप्लास बिल्डिंग, लखनऊ	–	सदस्य
15.	श्री प्रकाश सिंह, वित्त अधिकारी	–	विशेष आमंत्रित सदस्य
16.	श्री ओम प्रकाश, कुलसचिव	–	सदस्य–सचिव

कार्यवृत्त

बिन्दु संख्या– 1 कार्य परिषद की बैठक दिनांक 26 मार्च, 2017 में लिये गये निर्णयों की अनुपालन आख्या।

निर्णय– **अनुपालन आख्या को सर्वसम्मति से संपुष्ट किया गया तथा विगत कार्य परिषद की बैठक दिनांक 26 मार्च, 2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई।**

बिन्दु संख्या– 2 उ0प्र0 निर्माण निगम द्वारा उत्तर प्रदेश शासन को प्रेषित जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के निर्माण से सम्बन्धित प्रायोजना प्रस्ताव/आगणन से परिषद को संसूचित किया जाना।

निर्णय– **विश्वविद्यालय, के निर्माण से सम्बन्धित प्रायोजना प्रस्ताव/आगणन को सर्वसम्मति से अंकित किया गया।**

बिन्दु संख्या– 3 विश्वविद्यालय के प्रथम परिनियमावली के आलेख तैयार करने हेतु गठित समिति द्वारा आलेखित प्रथम परिनियमावली के अनुमोदन पर विचार।

निर्णय– **सर्वसम्मति से प्रालेख प्रथम परिनियमावली अनुमोदित की गयी एवं प्रख्यापन हेतु राज भवन प्रेषित किये जाने का निश्चय किया गया।**

बिन्दु संख्या– 4 वित्त समिति में लिये गये निर्णय एवं पारित आय–व्ययक (बजट) के स्वीकृति पर विचार।

निर्णय– **वित्त समिति में लिये गये निर्णय एवं आय व्ययक पर सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी।**

बिन्दु संख्या– 5 शासन के पत्र संख्या– 1116/सत्तर–4–2017 दिनांक 03 अगस्त, 2017 द्वारा विश्वविद्यालय में **पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ स्थापित किये जाने हेतु शासन द्वारा प्रस्ताव मांगा गया है। शासन के पत्र के क्रम में प्रस्ताव प्रेषित किया जा चुका है**। उक्त के क्रम में शासन के मंशा के अनुरूप विश्वविद्यालय में अधोलिखित शोधपीठ/अध्ययन केन्द्र/ संग्रहालय को स्थापित किये जाने का प्रस्ताव परिषद के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है–

अ– पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ।

ब– डॉ0 भीमराव अम्बेडकर अध्ययन एवं शोध केन्द्र।

स– पं0 हजारी प्रसाद द्विवेदी भोजपुरी अध्ययन एवं शोध केन्द्र ।

द– शहीद स्मारक आँचलिक कला केन्द्र एवं सग्रहालय।

य– बौद्ध अध्ययन एवं शोध केन्द्र।

निर्णय– सर्वसम्मति से "अ– पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ" का अनुमोदन किया गया। कार्य परिषद के सम्मानित सदस्य प्रो0 वी0 के0 कुमरा, प्रो0 अशोक कुमार एवं सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति के0 डी0 शाही ने उक्त केन्द्रों के अतिरिक्त चन्द्रशेखर अध्ययन एवं शोध केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव परिषद के पटल पर रखा; जिसका परिषद के सभी सदस्यों द्वारा समर्थन किया तथा सर्वसम्मति से जननायक चन्द्रशेखर नीति अध्ययन एवं शोध केन्द्र के साथ उक्त "ब से य" तक पर उल्लिखित केन्द्रों को स्थापित किये जाने की सैद्धान्तिक सहमति प्रदान की गयी तथा निर्णय किया गया कि आगामी बैठक में उक्त केन्द्रों की विस्तृत रूपरेखा एवं संविधान प्रस्तुत किया जाय।

बिन्दु संख्या– 6 कार्य परिषद की बैठक दिनांक 26 मार्च, 2017 के बिन्दु संख्या–11 में लिये गये निर्णय के क्रम में मा0 कुलपति जी द्वारा गठित सांस्कृतिक/क्रीड़ा परिषद के संयोजक, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक, संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों की नियुक्ति के अनुमोदन पर विचार।

निर्णय– सर्वसम्मति से प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया।

बिन्दु संख्या– 7 सम्बद्धता समिति द्वारा संलग्न सूची में अंकित महाविद्यालयों को प्रदान की गयी सम्बद्धता के अनुमोदन पर विचार।

निर्णय– सर्वसम्मति से सम्बद्धता प्रस्तावों को अनुमोदित किया गया।

बिन्दु संख्या– 8 शासन द्वारा जारी अधिसूचना से दिनांक 22 दिसम्बर, 2016 को जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है। उक्त के क्रम में 22 दिसम्बर को स्थापना दिवस, 17 अप्रैल को मा0 चन्द्रशेखर जी का जन्म दिवस एवं 08 जुलाई को मा0 चन्द्रशेखर जी की पुण्यतिथि को विश्वविद्यालय के पर्व के रूप में आयोजित किये जाने पर विचार।

निर्णय– सर्वसम्मति से उक्त प्रस्ताव को स्वीकार किया गया।

बिन्दु संख्या– 9 संलग्न सूची के अनुसार शैक्षणिक पदों के सृजन तथा अतिरिक्त गैर शैक्षणिक पदो के सृजन हेतु शासन को प्रेषित किये जाने वाले प्रस्ताव के अनुमोदन पर विचार।

निर्णय– सर्वसम्मति से उक्त प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया।

अध्यक्ष की अनुमति से अनुपूरक कार्यवृत्त

बिन्दु संख्या– (I) अनुदानित महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं स्ववित्त पोषित महाविद्यालय संघ की मांग पर एम0 ए0 व्यक्तिगत की परीक्षा सेमेस्टर परीक्षा के स्थान पर वार्षिक परीक्षा कराये जाने एवं अन्य बिन्दुओं पर विचार।

निर्णय– **परिषद के सम्मानित सदस्यों द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त एम0 ए0 व्यक्तिगत की परीक्षा को सेमेस्टर प्रणाली के स्थान पर वार्षिक परीक्षा कराये जाने पर सिद्धान्तः सहमति प्रदान की गई तथा क्रियान्वयन के लिए विद्यार्थी हित में मा0 कुलपति जी को अधिकृत किया गया एवं अन्य बिन्दुओं को अस्वीकार किया गया।**

बिन्दु संख्या– (II) विश्वविद्यालय के ध्वज से परिषद को संसूचित किया जाना।

निर्णय– **विश्वविद्यालय के ध्वज को सर्वसम्मति से अंगीकृत किया गया।**

बिन्दु संख्या– (III) प्रबन्धक श्री नरहेजी महाविद्यालय, नरहीं, रसड़ा, बलिया के पत्र दिनांक 23–08–2017 के अनुसार महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी की कार्य परिषद की बैठक दिनांक 30–10–2014 की बिन्दु संख्या–05 पर लिये गये निर्णय के क्रम में स्नातकोत्तर स्तर पर अंग्रेजी एवं गृहविज्ञान विषय की स्थायी सम्बद्धता दिये जाने पर विचार।

निर्णय– **सर्वसम्मति से श्री नरहेजी महाविद्यालय, नरहीं, रसड़ा, बलिया में संचालित स्नातकोत्तर स्तर पर अंग्रेजी एवं गृहविज्ञान विषय में स्थायी सम्बद्धता प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया।**

अन्त में अध्यक्ष जी को धन्यवाद देकर बैठक सम्पन्न हुई।

ह० कुलपति

कुलसचिव